WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2022

HINADSE05T-HINDI (DSE3/4)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) गुरुमुखी लिपि में 'रामायण' की रचना किस कवि ने की ?

(ख) ''मांगि के खैबो, मसीत के सोहबो, लैबो को एक न देबौ को दोऊ।''– पंक्ति का संबंध तुलसीदास के किस रचना से है ?

(ग) 'तुलसीदास' खंडकाव्य के रचयिता कौन हैं ?

(घ) ''कलि कुटिल जीवन विस्तार हित वाल्मीकि तुलसी भयो'' – पंक्ति किसकी है ?

(ङ) ज्ञान-भक्ति का विशद विवेचन रामचरितमानस के किस काण्ड में किया गया है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं <u>तीन</u> अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15

(क) आगम, वेद, पुरान बखनत मारग कोटिन जाहिं न जाने।
जे मुनि ते पुनि आपुहि आपुको ईसु कहावत सिद्ध सयाने।।
धर्म सबै कलिकाल ग्रसे, जपु जोग बिरागु लै जीव पराने।
को करि सोचु बरै 'तुलसी' हम जानकीनाथ के हाथ बिकाने।

(ख) मन पछितै है अवसर बीते।
दुर्लभ देह पाइ हरिपद भजु, करम, बचन अरु हीते।।
सहसबाहु, दसबदन आदि नप बचे न काल बलीते।
हम-हम करि धन-धाम सँवारे, अंत चले उठि रीते।।

(ग) बध्यो, बधिक, पन्यो-जल, उलटि उठाई चोंच।
तुलसी चातक-प्रेम-पट, मरतहु लगी न खोंच।

(घ) कलिमल ग्रसे धर्म सब लुप्त भए सदग्रंथ।
दंभिन्ह निज मति कल्पि करि प्रगट किए बहु पंथ।।
भए लोग सब मोहबस लोभ ग्रसे सुभ कर्म।
सुनु हरिजान ज्ञान निधि कहउँ कछुक कलिधर्म।।

(ङ) तुलसी पावस के समय, धरी कोकिलन मौन।
अब तौ दादुर बोलि है, हमैं पूछि हैं कौन।।

3. ''तुलसी ने रामचरित के माध्यम से देश के सामने एक आदर्श रखा, जो यथार्थ से दूर नहीं''– इस कथन पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

तुलसीदास की काव्यात्मक्ता का मूल्यांकन कीजिए।

4. ''भारत का लोकनायक वही हो सकता है, जिसमें समन्वय की पूरी क्षमता हो।''– इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए। 15

अथवा

तुलसीदास की प्रासंगिकता पर सोदाहरण विचार कीजिए।

N.B. : *Students have to complete submission of their Answer Scripts through E-mail / Whatsapp to their own respective colleges on the same day / date of examination within 1 hour after end of exam. University / College authorities will not be held responsible for wrong submission (at in proper address). Students are strongly advised not to submit multiple copies of the same answer script.*

——×——